

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

(R)

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

फर्स्ट क्लास हो या पास क्लास पेड़े बाँटो टॉप क्लास



Discount On Sweets **SSC/HSC** Students

35% to 70%	> 7%
71% to 90%	> 10%
91% & above	> 25%

Please bring your mark sheet

91678 99501

MM MITHAIWALA OPP. RLY STN, MALAD (W) TEL. : 2889 9501

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

तेज रफ्तार कार ने मारी ऐसी टक्कर

हवा में उछलकर दूर गिरे लोग, 3 की मौत



मुंबई हलचल/संवाददाता
मुंबई। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक अनियंत्रित सैंट्रो कार ने 3 बाइक सवारों और एक कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार ड्राइवर वसंत चव्हाण समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है। यह घटना मौके स्थल पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना साइबर चौक की है। दोपहर करीब ढाई बजे शिवाजी यूनिवर्सिटी की ओर से आ रही तेज रफ्तार सैंट्रो कार ने 3 बाइक सवारों और एक कार को टक्कर मार दी। इसके अलावा कार ने एक सिग्नल पोल भी तोड़ दिया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

‘इंडिया’ का प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन?

संजय राउत बोले...

नतीजे आने के 24 घंटे बाद करेंगे

ऐलान



मुंबई हलचल/संवाददाता
मुंबई। देशभर में सात चरण में हुए लोकसभा चुनाव की मतगणना मंगलवार सुबह आठ बजे से शुरू होगी। सत्तारूढ़ भाजपा ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा है। लेकिन इंडिया गठबंधन का प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन है यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बताया कि चुनाव के नतीजे आने के 24 घंटे के भीतर ही प्रधानमंत्री उम्मीदवार की घोषणा की जाएगी। राउत ने कहा, हमारे पास प्रधानमंत्री पद के लिए कई उम्मीदवार हैं लेकिन भाजपा का क्या? इंडिया गठबंधन नतीजे घोषित होने के 24 घंटे के भीतर प्रधानमंत्री पद के अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगा।
(शेष पृष्ठ 3 पर)



63 घंटे के मेगा ब्लॉक के बाद अचानक चरमराई पश्चिम रेलवे लोकल ट्रेन सेवा

यात्रियों का हुआ बुरा हाल

मुंबई हलचल/संवाददाता
मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में शुक्रवार शनिवार और रविवार तक सेंट्रल रेलवे पर 63 घंटे के मेगा ब्लॉक की वजह से जनता का बुरा हाल रहा। वहीं सोमवार को अखबारों के माध्यम से लोगों को यह पता चला कि सेंट्रल रेलवे का मेगा ब्लॉक खत्म हो गया है और मुंबई के लोगों ने राहत की सांस ली लेकिन सोमवार की सुबह पश्चिम रेलवे की लोकल ट्रेन सेवा पूरी तरह से ठप हो गई। अचानक ठप हुई सेवा के कारण विचार से चर्चिंग की तरफ काम पर जाने वाले यात्रियों को बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ा। घंटों तक स्टेशन पर एक भी ट्रेन नजर नहीं आ रही थी, लोग स्टेशनों पर फंसे रहे स्टेशनों पर इंडिकेटर भी नहीं चल रहे थे। मजबूरी में लोगों को दूसरे विकल्पों की तरफ बढ़ना पड़ा।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी की 27 वर्षीय बेटी ने की आत्महत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता
मुंबई। महाराष्ट्र कैडर के एक आईएएस ऑफिसर की बेटी ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घर से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल सका है। वहीं लड़की की उम्र 27 साल की बताई जा रही है। पुलिस लड़की का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या करने वाली लड़की विकास रस्तोगी और राधिका रस्तोगी की बेटी है। पिता विकास रस्तोगी फिलहाल राज्य सरकार में शिक्षा विभाग के सचिव हैं, जबकि मां राधिका रस्तोगी मुद्रा विभाग में सचिव हैं।
(शेष पृष्ठ 3 पर)



पढ़ाई में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थी लिपि

पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवती का नाम लिपि है। वह कानून की पढ़ाई कर रही थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वह हरियाणा के सोनीपत से एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी और पढ़ाई में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थी। घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा है कि उसकी मौत के लिए किसी को दोष न दिया जाए।

हमारी बात



ऐसा अविश्वास नहीं देखा

बने हालात के मद्देनजर सवाल उठा है कि क्या आज घोषित होने वाले चुनाव परिणाम को समाज के हर हलके में पूरे यकीन के साथ सहजता से स्वीकार किया जाएगा? विचारणीय यह है कि देश में राजनीतिक अविश्वास का ऐसा माहौल क्यों बना है?

लोकसभा चुनाव के आज जाहिर होने वाले परिणाम चाहे जो हों, लेकिन जिस माहौल में ये नतीजे घोषित हो रहे हैं, भारतीय लोकतंत्र के लिए वह गहरी चिंता का कारण है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जिस तरह अविश्वास की खाई बढ़ी है, उसे देखते हुए आने वाले दिनों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सुचारु अमल की उम्मीद बेहद कमजोर हो गई है। मतदान पूरा होने के एक दिन बाद इंडिया गठबंधन और सत्ताधारी एनडीए- दोनों के प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन आयोग से मिलने गए। इंडिया एलायंस ने पोस्टल बैलेट की गिनती के तरीके में बदलाव पर एतराज जताया और आयोग से मांग की कि मतगणना संबंधी अपने नियमों पर वह सख्ती से अमल सुनिश्चित करे। इस गठबंधन के सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया संबंधी कई संदेह सार्वजनिक रूप से व्यक्त किए हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के बाद एनडीए का दल आयोग के पास गया। उसने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल और दुर्भावना से प्रेरित सिविल सोसायटी संगठन वर्तमान चुनाव की साख पर आंच लगाने की कोशिश कर रहे हैं। एनडीए ने कहा कि ऐसे प्रयासों का निशाना हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं और इनसे सार्वजनिक व्यवस्था एवं चुनाव प्रणाली में भरोसे के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो सकते हैं। विपक्ष की तरफ से पहले ही निर्वाचन आयोग पर सत्ता पक्ष के हित में काम करने और आम चुनाव में उसे समान धरातल मुहैया ना कराने जैसे इल्जाम लगाए जा चुके हैं। मतदान के बाद विपक्ष के एक हिस्से की तरफ से सत्ता पक्ष पर एग्जिट पोल्स को प्रायोजित कर चुनाव में हुई धांधली को स्वीकार्य बनाने की कोशिश का आरोप लगाया गया। इन हालात के मद्देनजर सवाल उठा है कि क्या आज घोषित होने वाले चुनाव परिणाम को समाज के विभिन्न हलकों में पूरे यकीन के साथ सहजता से स्वीकार किया जाएगा? यह सबके लिए विचारणीय है कि देश में राजनीतिक अविश्वास का ऐसा माहौल क्यों बना है? क्या इसके लिए हालिया वर्षों में पक्ष- विपक्ष के बीच बढ़ती गई संवादहीनता एक प्रमुख वजह है? कारण जो भी हों, उनका तुरंत निवारण जरूरी है। इसके लिए पहल की जिम्मेदारी आज विजयी होने वाले पक्ष पर होगी।

आज मतगणना के दौरान बेहद सतर्क रहेगी कानपुर पुलिस

कड़ी सुरक्षा के बीच गल्ला मंडी नौबस्ता में मतगणना के दौरान बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। लोकसभा के लिए संपन्न कराए गए चुनाव के बाद कानपुर और अकबरपुर सीट के लिए मतगणना का कार्य बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज मंगलवार को संपन्न कराया जाएगा। आज होने वाली मतगणना के दौरान यातायात परिवर्तन के साथ ही पार्किंग व्यवस्था की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही वह सभी रास्ते बंद रहेगी जो गल्ला मंडी यानी मतगणना स्थल की ओर जाते हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने भी इसका जायजा ले लिया है। वहीं यातायात परिवर्तन



के तहत नौबस्ता बंबा से समाधि पुलिस के बीच नौबस्ता चौराहे पर बैरियर लगाया गया है। वहीं, नौबस्ता चौराहे से नौबस्ता गल्ला मंडी तक प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं, जहां से कोई भी हमीरपुर रोड में प्रवेश ना कर सके। इसके लिए हर नाके और गली में यातायात कर्मियों की तैनाती भी की गई है। कुल मिलाकर और चार जून को होने वाली मतगणना के लिए वह सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं, जिससे किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

परिंडे लगाए किया पौधारोपण



आज ग्राम जोधपुरा में पुष्पा जन कल्याण फाउंडेशन द्वारा परिंडे लगाए गए और छायादार वृक्ष लगाए गए और आमजन से भी अपील की गई की बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाएं और दाना पानी की व्यवस्था करें जिससे इस भयंकर गर्मी में इनको राहत मिल सके आज इस अवसर पर पुष्पा जन कल्याण फाउंडेशन अध्यक्ष कैलाश बाकोलिया वृक्षारोपण व परिंडे लगाने में अमन बाकोलिया, धनराज बाकोलिया, अरविंद बाकोलिया, सचिन बाकोलिया, कमलेश बाकोलिया विशाल बाकोलिया, प्रहलाद सहाय रैगर, धोला राम रैगर आदि थे।

एडिशनल एसपी का रुतबा इतना भारी कि कोर्ट के आदेश को भी कोई तवज्जो नहीं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। रक्षक ही भक्षक बन जाए तो फिर कोई क्या करे? अगर जांच अधिकारी कोर्ट आदेश के बावजूद भी महीनों बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट ही कोर्ट में पेश ना करे तो आखिर पीड़ितों को न्याय कैसे मिलेगा? उपरोक्त बातें हिन्दुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया ने संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि एडिशनल एसपी बयाना जिला भरतपुर के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं गृह सचिव राजस्थान सरकार को भेजी गई शिकायतों की प्रतियां देते हुए कही। बतौर राजा भईया ने बताया कि पिछले दिनों भरतपुर सेन्ट्रल जेल में तात्कालीन जेलर पूरनचन्द शर्मा और उनके साथी कैदियों द्वारा अन्य गरीब जेल बंदियों व उनके परिजनों को

प्रताड़ित कर उनसे लाखों रुपए की अवैध वसूली करने के सन्दर्भ में उन्होंने सीजेएम भरतपुर की कोर्ट में एक इस्तगसा दायर किया था, जिस पर सभी तथ्यों और सबूतों का अवलोकन करने एवं एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर की दलीलें सुनने के बाद तथा मामले की गंभीरता को देखते हुए सीजेएम ने प्रकरण को कोर्ट में ही दर्ज कर लिया था, और मामले की जांच के आदेश जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर को सीआरपीसी की धारा 202 के तहत दिनांक 16/12/2023 को देते हुए जांच एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारी से करने के बाद जांच रिपोर्ट 16/01/2024 को कोर्ट में पेश करने के लिए कहा था।

जिस पर जिला एसपी भरतपुर मृदुल कछवा ने एडिशनल एसपी बयाना को इस प्रकरण की जांच सौंपी थी और कोर्ट में समयानुसार जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए

नियुक्त किया था, परिवादी राजेंद्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया स्वयं तब से कई बार उपरोक्त जांच अधिकारी से बयाना जा कर मिल चुके हैं और अपना बयान भी दर्ज करा चुके हैं, परन्तु तब से अब तक छह महीने बीत जाने के बावजूद भी उपरोक्त जांच अधिकारी

एडिशनल एसपी बयाना ने ना तो कोर्ट में कोई जांच रिपोर्ट ही इस प्रकरण में पेश की है ना ही स्वयं पेश हो कर यह तक बताया है कि आखिर जांच कहा तक और किस

स्तर तक पहुंची है? जांच अधिकारी के इस लापरवाही पूर्ण और नियम विरुद्ध किए जा रहे कार्य से दुःखी हो कर राजा भईया ने इस बाबत जांच अधिकारी उपरोक्त के विरुद्ध आदालत की अवमानना हेतु भी एक प्रार्थना पत्र आदालत में दायर किया है। और राज्य के गृह सचिव, डीजीपी, एडीजीपी विजिलेंस सहित भरतपुर जिले के एसपी महोदय को तत्काल उपरोक्त जांच अधिकारी (एडिशनल एसपी बयाना) को इस प्रकरण से बदलने / हटाने तथा उनके विरुद्ध उचित विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई करने हेतु लिखित शिकायत दी है। अब देखते हैं कि ये अधिकारी एडिशनल एसपी बयाना जिला भरतपुर के विरुद्ध कोई कार्यवाही करते भी हैं या नहीं। उक्त जानकारी दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर ने संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने अरुण गवली की समयपूर्व रिहाई पर लगाई रोक

मुंबई हलचल/संवाददाता मुंबई। गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की समय पूर्व रिहाई के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने 4 जून को पना फैसला दिया था। जिसमें अरुण की समय पूर्व रिहाई को इजाजत दी थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 4 जून के फैसले पर रोक लगा दी है। जिसमें मुंबई में हुई हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे गवली को समयपूर्व रिहाई नीति का लाभ देने का निर्देश दिया गया था।

किस हत्या मामले में मिला आजीवन कारावास
न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने उच्च न्यायालय के निर्णय के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। जबकि महाराष्ट्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे और आदित्य ए. पांडे ने गवली को राजनीति में आने वाला एक कठोर अपराधी बताया। महाराष्ट्र की एक अदालत ने 2007 में मुंबई के शिवसेना पार्षद कमलाकर जामसांडेकर की हत्या



के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत गवली को दोषी ठहराया था। अगस्त 2012 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और कुल 18 लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार ने अपनी दलील में कहा कि गवली के खिलाफ मकोका का एक और मामला लंबित है। महाराष्ट्र ने कहा कि मामले में मुकदमा अपने अंतिम चरण में है।

किसको नहीं दी जा सकती समय पूर्व रिहाई
महत्वपूर्ण है कि इस नीति के तहत शराब तस्करों, नशीली

दवाओं के अपराधियों और खतरनाक व्यक्तियों की खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (एमपीडीए), मकोका और टाडा जैसे गंभीर मामलों के आरोपियों की रिहाई पर रोक है। महाराष्ट्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपनी याचिका में तर्क दिया, उच्च न्यायालय ने नीति की गलत व्याख्या की है। उसने मकोका को शामिल न किए जाने पर ध्यान केंद्रित किया और गलत तरीके से गवली की याचिका को अनुमति दे दी। राज्य सरकार ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया कि 2015 में जारी किए गए नए छूट

दिशा-निर्देशों ने विशेष रूप से मकोका दोषियों को समय से पहले रिहाई से प्रतिबंधित कर दिया था। **गवली मकोका के तहत दोषी है** महत्वपूर्ण है कि गवली को जिस मामले में आजीवन कारावास की सजा दी गई है। उसमें उसे मकोका के तहत दोषी ठहराया गया है। ऐसे में भले ही गवली जुलाई 2018 में 65 वर्ष का हो गया हो, लेकिन 2015 की नई नीति ने उसे समय से पहले रिहाई के लिए अयोग्य बना दिया है। राज्य ने तर्क दिया, इस प्रकार, गवली 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर भी 2006 की नीति का लाभ नहीं उठा सकता है। इसके अलावा, सरकार ने तर्क दिया कि गवली की याचिका को स्वीकार करके उच्च न्यायालय ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर कदम उठाया है, क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 432 में स्पष्ट रूप से उपयुक्त सरकार को सजा को निलंबित या माफ करने की शक्ति प्रदान की गई है। कोर्ट किसी की सजा माफी या सजा कम करने पर फैसला नहीं ले सकती है।

लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले अजित पवार का जश्न

मुंबई हलचल/संवाददाता मुंबई। लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल के रुझान सामने आए हैं। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। एनडीए को 350 से अधिक सीट मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, महाराष्ट्र में महायुति और महा विकास अघाड़ी में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) एक से दो सीट मिलने का अनुमान है। लेकिन चुनाव के नतीजों के पहले ही एनसीपी ने जश्न मनाया है। दरअसल, आज अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिसमें एनसीपी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। पार्टी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व की सराहना की है। प्रफुल्ल पटेल ने इस जीत को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा



हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। पटेल ने कहा, एनसीपी के लिए एक महत्वपूर्ण जीत! हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अरुणाचल प्रदेश में 3 विधानसभा सीटें जीती हैं और 10% से अधिक वोट शेयर हासिल किया है। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय सफलता राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराष्ट्र,

नागालैंड और अब अरुणाचल प्रदेश में पिछली जीत के साथ, हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से बस एक राज्य दूर हैं। उन्होंने कहा, हमारे सभी समर्पित विजेताओं और विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के राज्य अध्यक्ष लिखा साया को उनके असाधारण नेतृत्व और अटूट प्रतिबद्धता के लिए बधाई। आपकी कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आइए इस गति को बनाए रखें

और एक साथ और भी अधिक ऊंचाइयों के लिए प्रयास करें! वहीं एनसीपी ने एक बयान में कहा, हमारे नवनिर्वाचित विधायक निकिल कामिन, लिखा सोनी और टोकू तातुम राज्य के विकास और राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में एनसीपी पूरे भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। गौरतलब है कि भाजपा ने 60 विधानसभा सीटों में से 46 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश में सत्ता हासिल की है। वहीं, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 5 सीटें, एनसीपी ने 3, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने 2, कांग्रेस ने 1 और निर्दलीय ने 3 सीटें जीतीं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

‘इंडिया’ का प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन?

उन्होंने कहा कि विपक्षी खेमे के सभी नेता दिल्ली में मिलेंगे और वहीं इसकी घोषणा की जाएगी। बता दें कि कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंकलूसिव अलायंस (इंडिया) में शिवसेना समेत कई विपक्षी दल शामिल हैं। चुनावी अनियमितताओं और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर विपक्षी दलों की शिकायतों की कथित रूप से अनदेखी करने पर निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए राउत ने कहा, हमने निर्वाचन आयोग को 17 शिकायती (पत्र) लिखे, लेकिन हमें उन पर कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने तमिलनाडु के कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में प्रधानमंत्री के 45 घंटे के ध्यान कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए पूछा, क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह निर्वाचन आयोग भी ध्यान कर रहा है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चार जून को होने वाली मतगणना से पहले देशभर के कई जिलाधिकारियों को फोन किया है, राउत ने कहा, यह बहुत गंभीर मुद्दा है। हमने पाया है कि उनमें से 12 (जिलाधिकारी) महाराष्ट्र से हैं।

महाराष्ट्र कैडर के आईएस अधिकारी की 27 वर्षीय बेटी ने की आत्महत्या

पुलिस के मुताबिक, आज सुबह करीब 4 बजे उसने एक इमारत की 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसे तुरंत जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शव उसी हॉस्पिटल में रखा रहा। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस सुसाइड की वजह जानने में जुट गई है। अधिकारियों ने बताया कि कफ परेड थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले, 2017 में महाराष्ट्र कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों मिलिंद और मनीषा म्हासकर के 18 वर्षीय बेटे ने मुंबई में एक ऊंची इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी।

तेज रफ्तार कार ने मारी ऐसी टक्कर

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई फुटेज में दिखाई दिया कि एक तेज रफ्तार कार 3 मोटर साइकिल सवार सहित एक कार और कुछ लोगो को ऐसी टक्कर मारती है की लोग हवा में उछल जाते हैं और कार आखिरी छोर पर एक दुकान से टकराकर रुक जाती है। इस हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं। जबकि सेंट्रो कार के ड्राइवर वसंत चव्हाण (उम्र 72 साल), 8 महीने का एक बच्चा और 16 साल के हर्षद पाटिल की मौत हो गई। हर्षद ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा दी थी। कोल्हापुर एसपी के मुताबिक, यह हादसा दोपहर 2।30 बजे का है। हादसे में सेंट्रो कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। फिलहाल इस घटना की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है कि हादसा ब्रेक फेल या कंट्रोल छूटने से हुआ है। पुलिस के मुताबिक, कार चला रहे वसंत चव्हाण के सिर पर पट्टी बंधी हुई थी। आशंका है कि कार चलाते समय उन्हें चक्कर आया होगा और इस वजह से वह कार से कंट्रोल खो बैठा होगा। इस भीषण हादसे के बाद साइबर चौक पर लोगों की अफरा-तफरी मच गई। वहीं, हादसे में कुछ बाइक सवार और एक छोटा टेंपो बाल-बाल बच गया। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि कार ड्राइवर को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। कार ड्राइवर कोल्हापुर यूनिवर्सिटी से जुड़े हुए अधिकारी हैं लेकिन उनकी पोस्ट क्या थी यह अभी तक पता नहीं चल सका है।

...यात्रियों का हुआ बुरा हाल

वेस्टर्न रेलवे की तरफ से तकनीकी खराबी की जानकारी दी गई और कहा यह गया कि जल्दी वेस्टर्न रेलवे की लोकल ट्रेन सेवा को बहाल किया जाएगा। आपको बता दें की विरार से लेकर चर्चिगत तक लगभग सभी स्टेशनों पर यात्रियों का बुरा हाल रहा। स्टेशन पर इंडिकेटर में ट्रेन की समय सारणी के बजाय शून्य शून्य नजर आ रहा था। आधे से 1 घंटे के बाद स्टेशन पर ट्रेन की आवाजाही हो रही है। निर्धारित समय पर ट्रेन के ना होने के चलते स्टेशन पर बड़ी संख्या में यात्री भी दिखाई दिए। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि मुंबई के लोग अभी 63 घंटे के मेगा ब्लॉक के सदमे से पूरी तरह बाहर नहीं निकले थे कि अचानक वेस्टर्न रेलवे की लोकल ट्रेन सेवा चरमरा गई। जिसने मुंबई के यात्रियों का बुरा हाल कर दिया है।

दिल्ली में जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश में कहा पानी की कमी से निपटने के लिए कल होगी ‘अपर यमुना रिवर बोर्ड’ की आपात बैठक

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के जल संकट से जूझने पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस समस्या से निपटने के लिए 5 जून को ‘अपर यमुना रिवर बोर्ड’ (यूवाईआरबी) की एक आपात बैठक बुलाने का आदेश दिया। यूवाईआरबी का गठन 1995 में किया गया था और इसके मुख्य कार्यों में यमुना नदी के पानी का लाभार्थी राज्यों के बीच आवंटन को नियंत्रित करना और दिल्ली में ओखला बैराज समेत सभी परियोजनाओं की समीक्षा एवं प्रगति पर नजर रखना भी है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) दिल्ली शामिल हैं।

खास बातें

- 6 जून को होगी अगली सुनवाई
- अन्य संबंधित मुद्दों को गंभीरता से लिया जाए
- केंद्र, दिल्ली, हरियाणा, हिप्र होंगे शामिल

पानी की कमी की समस्या का उचित तरीके से समाधान करें

पीठ ने कहा कि सुनवाई के दौरान सभी पक्ष सहमत हुए कि दिल्ली के नागरिकों के समक्ष पानी की कमी की समस्या का ऐसा समाधान होना चाहिए जिसमें सभी पक्षों के अधिकतम हित पूरे हों। इसने कहा कि वकील ‘सहमत हो गए हैं कि इस याचिका में उठाए मुद्दों का समाधान करने के लिए पांच जून को अपर यमुना रिवर बोर्ड की एक आपात बैठक होनी चाहिए और सभी अन्य संबंधित मुद्दों को गंभीरता से लिया जाए ताकि दिल्ली के नागरिकों के लिए पानी की कमी की समस्या का उचित तरीके से समाधान किया जा सके। पीठ ने कहा कि इस मामले पर अगली सुनवाई छह जून को होगी जिसमें बोर्ड की बैठक और समस्या को हल करने के लिए पक्षकारों द्वारा उठाए गए सुझावत्मक कदमों पर जानकारी दी जाएगी।

आप जल मंत्री ने दायर की याचिका



दिल्ली की जल मंत्री आतिशी द्वारा दायर याचिका में केंद्र, हरियाणा की भाजपा सरकार और हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को पक्षकार बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि जीवित रहने के लिए पानी तक पहुंच आवश्यक एवं बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। याचिका में कहा गया है कि पानी की उपलब्धता किसी भी व्यक्ति के बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। पानी न केवल जीने के लिए आवश्यक है, बल्कि पानी तक पहुंच संधिधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन की गारंटी का एक अनिवार्य घटक भी है। वर्तमान जल संकट भीषण गर्मी होने तथा पानी की निरंतर कमी के कारण और भी बढ़तर हो सकता है तथा यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लोगों के सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

सभी पक्षकारों की एक संयुक्त बैठक क्यों नहीं हो सकती?

केंद्र तथा हरियाणा सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यूवाईआरबी पहले ही इस मुद्दे पर विचार कर रहा है जहां हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली समेत सभी राज्य पक्षकार हैं। उन्होंने कहा कि इस सवाल पर विचार किया जा रहा है। बोर्ड ने हिमाचल प्रदेश को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा है कि उनके पास कितना अतिरिक्त पानी है। पीठ ने कहा कि आपात स्थिति के मद्देनजर इस मुद्दे से निपटने के लिए बोर्ड की बैठक कल बुलाई जा सकती है। इसने कहा कि केंद्र तथा दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने इस पर सहमति जताई कि राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के मुद्दे से निपटने के लिए यूवाईआरबी की एक बैठक बुलाई जाए।

पीएम की शपथ को देखते हुए आदेश ड्रोन उड़ाने और लेजर बीम के इस्तेमाल पर लगा प्रतिबंध

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दिल्ली पुलिस ने अब कई पारबंदियां लगा दी हैं। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास धारा 144 लगा दी है। पुलिस ने विमानों के उड़ान के रास्ते में ड्रोन उड़ाने और लेजर बीम के इस्तेमाल पर भी बैन लगा दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, देश के मौजूदा राजनीतिक हालात के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वीवीआईपी के एयरक्राफ्टों के मूवमेंट में आई तेजी और प्रधानमंत्री के शपथ समारोह को देखते हुए ये अहम आदेश जारी किए गए हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर धारा 144 भी लागू



दिल्ली पुलिस का यह आदेश 1 जून से ही लागू हो गया है और यह 30 जून तक लागू रहेगी। आईजीआई एयरपोर्ट के एयर ट्राफिक कंट्रोल ने कहा है कि लेजर बीम की वजह से कई विजन डिसट्रैक्शन होता है। खासकर वहां जहां कोई विमान लैंडिंग कर रहा हो।

सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन को बैन किया

इसके अलावा यह भी बताया गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर आतंकी कमी भी हमला कर सकते हैं और इसे लेकर अक्सर जानकारी सामने आती रहती हैं। आतंकवादी ड्रोन, पैराग्लाइडर, हैंग-ग्लाइडर, एयरो मॉडल इत्यादि के जरिए इस हमले को अंजाम दे सकते हैं। इसलिए सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन को बैन किया गया है।

तमांग ने राज्यपाल से की मुलाकात

नई सरकार के गठन का पेश किया दावा, जीती 31 सीटें



मुंबई हलचल / गंगटोक

सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर खुद को विधायक दल का नेता चुनने संबंधी एस्केएम के नवविवाचित विधायकों द्वारा पारित प्रस्ताव उन्हें सौंपा और अगली सरकार के गठन का दावा पेश किया। राज्यपाल से हुई मुलाकात के दौरान सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के सभी नवनिर्वाचित विधायक उनके साथ थे। आचार्य ने विधायकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पहले सौंपा इस्तीफा

अधिकारी ने कहा कि तत्काल यह पता नहीं चल पाया है कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा। निवर्तमान मुख्यमंत्री तमांग ने नई सरकार के गठन से पहले परंपरा के अनुसार रविवार शाम राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा था। आचार्य ने कहा था कि तमांग फिलहाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। रविवार को हुई मतगणना में एसकेएम ने विधानसभा चुनाव में 32 में से 31 सीट जीती है। विपक्षी एसडीएफ को एक सीट पर जीत मिली।

राज्यों से कहा-अग्नि-सुरक्षा मानदंडों के सख्ती के साथ पालन कराएं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

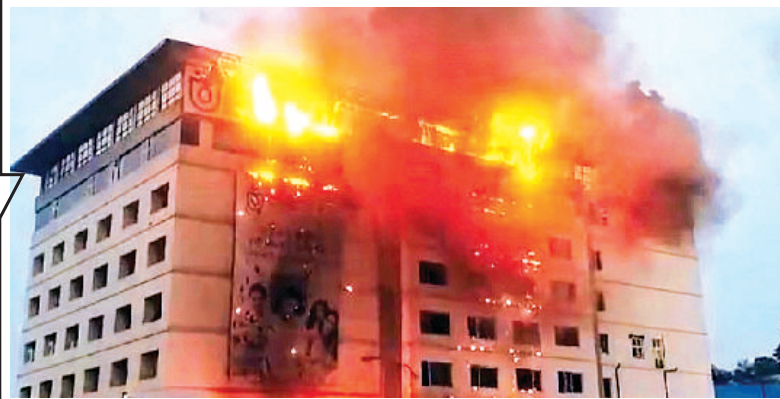
देश में बढ़ती गर्मी और आग की घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार चिंतित है। केंद्र सरकार कहा है कि अस्पतालों में आग के खतरों से जुड़े संभावित खतरों को देखते हुए यह जरूरी है कि आग को प्रभावी ढंग से रोकने, पता लगाने और प्रतिक्रिया देने के लिए सख्त प्रोटोकॉल और उपाय किए जाएं। एक मजबूत अग्नि सुरक्षा योजना स्थापित करने और अग्नि-निकासी और सुरक्षा अभ्यास आयोजित करने से न केवल नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित होगा बल्कि जीवन और संपत्ति की सुरक्षा भी होगी। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को अग्नि-सुरक्षा मानदंडों के सख्ती से अनुपालन की सलाह दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की

स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के साथ समीक्षा बैठक की

स्वास्थ्य सुविधाओं पर रखें नजर

आग की घटनाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क



मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में कुछ जगहों पर आग विद्युत रखरखाव के कारण शॉर्ट-सर्किट और एयर-कंडीशनर और अन्य उपकरणों के उपयोग के कारण बिजली लाइनों के अधिभार का परिणाम है। अग्नि सुरक्षा मानदंडों से संबंधित सभी स्वास्थ्य सुविधाओं के सख्त अनुपालन और कठोर आवधिक मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और संस्थानों को पीडब्ल्यूडी और स्थानीय अग्निशमन विभागों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की सलाह दी गई, ताकि समय पर अग्नि सुरक्षा एनओसी प्राप्त की जा सके।

स्वास्थ्य केंद्रों में नियामक प्रोटोकॉल जरूरी

बढ़ते तापमान और आग की घटनाओं के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की है। दरअसल, अस्पतालों में आग की घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों और स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य स्वास्थ्य विभागों और लगभग 390 स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के 15 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के बाद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में नियामक प्रोटोकॉल और अग्नि-सुरक्षा मानदंडों के सख्त अनुपालन की आवश्यकता दोहराई है।

आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में नागपुर की अदालत का फैसला ब्रह्मोस मिसाइल के पूर्व इंजीनियर निशांत को उम्रकैद, पाक को दी गोपनीय जानकारी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

नागपुर की एक अदालत ने सोमवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अग्रवाल पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप हैं। निशांत अग्रवाल को 2018 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को ब्रह्मोस मिसाइल के बारे में जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निशांत अग्रवाल ब्रह्मोस एयरोस्पेस में सीनियर सिस्टम इंजीनियर थे और मिसाइल परियोजनाओं में शामिल थे।

अग्रवाल को आईएसआई को परियोजनाओं के बारे में गोपनीय जानकारी देने के आरोप में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र एटीएस और मिलिट्री इंटील्लिजेंस ने 2018 में नागपुर के पास से गिरफ्तार किया था। बता दें कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस डीआरडीओ और रूस के मिलिट्री इंस्ट्रुक्टल कंसोर्टियम (एनपीओ मशीनोस्ट्रॉयनिगा) का एक संयुक्त उपक्रम है, जो भारत में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के विकास और निर्माण का काम करता है। इन सुपरसोनिक मिसाइलों को जमीन, हवा, समुद्र और पानी के नीचे से भी लॉन्च किया जा सकता है।

निशांत अग्रवाल को 2018 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को ब्रह्मोस मिसाइल के बारे में जानकारी लीक करने के आरोप में



पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में था निशांत

2018 में जब अग्रवाल को गिरफ्तारी हुई थी, तब उस खबर ने हलचल मचा दी थी क्योंकि यह ब्रह्मोस एयरोस्पेस से जुड़ा यह पहला जासूसी का मामला था। तब आरोप लगे थे कि अग्रवाल दो फेसबुक अकाउंट - नेहा शर्मा और पूजा रंजन के जरिए सख्त पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में था। इस्लामाबाद से संचालित इन अकाउंट्स के बारे में माना जाता है कि इन्हें पाकिस्तान के खुफिया एजेंट चला रहे थे।

लैपटॉप से बेहद गोपनीय फाइलें मिली थीं

निशांत अग्रवाल बहुत ही मेधावी इंजीनियर था। उसे डीआरडीओ का रंग साइंटिस्ट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था। वह एनआईटी कुरुक्षेत्र का छात्र रहा है। चार्जशीट के मुताबिक उसके लैपटॉप से बेहद गोपनीय फाइलें मिली थीं। इसके अलावा, एक सॉफ्टवेयर भी पाया गया था, जिससे लैपटॉप में मौजूद संवेदनशील तकनीकी जानकारी को विदेशी और असामाजिक तत्वों को भेजा गया था।

14 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई

अतिरिक्त सत्र अदालत के व्यापारीश एक्सी देशपांडे का आदेश है कि अग्रवाल को आईटी अधिनियम की धारा 66 (एफ) और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) की विभिन्न धाराओं के तहत बंडनीय अपराध के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 235 के तहत दोषी ठहराया गया था। विशेष लोक अभियोजक ज्योति चवानी के अनुसार, अदालत ने अग्रवाल को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आजीवन कारावास और 14 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई वहीं 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

नोबेल प्राइज जीतने वाली कमेटी की मेंबर रह चुकी

वर्ल्डोडिया होंगी मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मैक्सिको के 200 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला देश की राष्ट्रपति बनने वाली हैं। 2 जून को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉम को सबसे ज्यादा 58.3% वोट मिले। दिलचस्प बात ये थी कि उनकी टक्कर में विश्वी पार्टी की उम्मीदवार भी एक महिला ही थीं। विपक्षी शोचिल गालवेज दक्षिणपंथी नेशनल एक्शन पार्टी पेन से चुनाव लड़ीं। वे राष्ट्रपति आंब्राडोर की नीतियों की कट्टर विरोधी हैं। शोचिल गालवेज को 28% वोट ही मिले। मैक्सिको ने पड़ोसी देश अमेरिका से पहले महिला राष्ट्रपति चुनकर इतिहास बनाया है।



कैसे उम्मीदवार बनी वर्ल्डोडिया शेनबॉम

मैक्सिको के संविधान के नियम के मुताबिक, राष्ट्रपति आंब्राडोर को दोबारा से 6 साल का कार्यकाल नहीं मिल सकता। ऐसे में सत्ताधारी मोरेना पार्टी की तरफ से वर्ल्डोडिया शेनबॉम को उम्मीदवार बनाया गया था। वह मैक्सिको सिटी की पूर्व मेयर रह चुकी हैं और लेफ्ट पॉलिटिक्स से काफी समय से जुड़ी हुई हैं। साल 2007 में मैक्सिको की इंटरगवर्नमेंटल कमेटी को नोबेल प्राइज मिला था। तब वह इसकी मेंबर थीं।

विवादों से भरा रहा राजनीतिक करियर

वर्ल्डोडिया का राजनीतिक जीवन विवादों से भरा रहा है। 2017 में जब मैक्सिको सिटी की मेयर थीं तब एक शक्तिशाली मुक्तप में एक स्कूल की छत गिर गई थी। इसमें 26 लोग मारे गए थे जिनमें 19 बच्चे थे। माटी आलोचना के बाद भी वर्ल्डोडिया ने यह मानने से इनकार कर दिया कि कंस्ट्रक्शन में कोई गड़बड़ी थी। हालांकि, इसके बाद भी वह अगले साल फिर से शहर की मेयर चुनी गईं। साल 2021 में मैक्सिको सिटी में एक एलिक्टोड मैट्रो ट्रैक का एक हिस्सा ढह गया। इसमें 26 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए।

चुनावी हिंसा में 200 लोगों की मौत हुई

ये मैक्सिको के चुनावी इतिहास का सबसे हिंसक चुनाव भी कहा जा रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक करीब 200 लोग मारे जा चुके हैं। 50 से अधिक लोग सिर्फ गुरुरो प्रांत में मारे गए हैं। मैक्सिको में पिछला आम चुनाव 2018 में हुआ था। उस दौरान करीब 150 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

मैक्सिको में एक क्रांति लेकर आई शेनबॉम

वर्ल्डोडिया शेनबॉम ने मेयर के तौर पर पारंपरागत सुधारों पर खस ध्यान दिया और मैक्सिको सिटी में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए कई पहल की। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक न्याय और समावेशिता के लिए कई योजनाएं चलाईं, जिनका लक्ष्य मैक्सिको सिटी के लोगों का जीवन स्तर सुधारना था। वर्ल्डोडिया शेनबॉम के इन यासियों के चलते ही वो मैक्सिको में इतनी लोकप्रिय हो गईं। मैक्सिको की जनता उनकी नेतृत्व क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय को लेकर काफी आकर्षित हुई हैं।

भाजपा को मोदी तो कांग्रेस को पारंपरिक वोट बैंक से आस, इस सीट पर दिलचस्प मुकाबले में तय होगा रिजल्ट!

मुंबई हलचल/संवाददाता नैनीताल। ऊधम सिंह नगर सीट की तस्वीर पर नजर दौड़ाएं तो यहां भाजपा को मोदी मैजिक का सहारा है तो कांग्रेस को समीकरण और पारंपरिक वोट बैंक से आस है। लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के मतदान प्रतिशत के आंकड़ों के आधार पर देखें तो दोनों ही प्रमुख दलों भाजपा व कांग्रेस के खेमों में उत्साह, बेचनी जैसी तस्वीर दिखती है। इस संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत भाजपा के

आठ और कांग्रेस के छह विधायक हैं। ऐसे में इनके कौशल की परीक्षा भी इस चुनाव में होने जा रही है। भाजपा के दृष्टिकोण से देखें तो वर्तमान में वह विधानसभा की लालकुआ, भीमताल, नैनीताल, कालाढूंगी, काशीपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, सितारगंज सीटों का प्रतिनिधित्व कर रही है। यूं कहा जाए कि इन विस क्षेत्रों में अमूमन भाजपा का दबदबा रहता है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इन सीटों पर सितारगंज में सर्वाधिक 71.44 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि अन्य में 51.66 से



69.46 प्रतिशत तक। रुद्रपुर, सितारगंज व गदरपुर में ओबीसी व बंगाली समुदायों की अच्छी-खासी संख्या है और भाजपा मानकर चल रही है कि इन वर्गों का उसे भरपूर समर्थन मिला है। इससे वह उत्साहित भी है। यद्यपि, इन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की भी ठीकठाक संख्या है। भाजपा की बेचनी इस बात को लेकर है कि कांग्रेस ने इस वोट बैंक में कितनी संघ लगाई। हल्द्वानी, जसपुर, बाजपुर, किच्छा, नानकमत्ता व खटीमा विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कांग्रेस कर

रही है। इन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 59.27 से 66.03 प्रतिशत तक रहा है। यही नहीं, हल्द्वानी, जसपुर, बाजपुर क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता भी काफी तादाद में हैं। इन्हें कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। पूर्व में हुए किसान आंदोलन का लाभ मिलने की आस भी कांग्रेस लगाए बैठी है। यद्यपि, ओबीसी व अन्य वर्गों को लेकर उसमें बेचनी भी है। अब जबकि चुनाव परिणाम की घड़ी नजदीक है तो किसे क्या मिला, इसे लेकर तस्वीर साफ हो जाएगी।

अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार और डीजीपी प्रशांत कुमार ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा यूपी में 81 केंद्रों पर मतगणना के दौरान होगी त्रिस्तरीय सुरक्षा, विजय जुलूस पर भी रोक

यूपी में लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर त्रिस्तरीय सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सभी जिलों में धारा 144 लागू है और अनावश्यक भीड़ लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कोई भी विजय जुलूस नहीं निकाला जाएगा।

मुंबई हलचल / लखनऊ

लोकतंत्र के महापर्व में मंगलवार 4 जून को बड़ा दिन होने वाला है। देश की 543 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान के नतीजे सामने आ जाएंगे। मंगलवार सुबह 8 बजे से वोट की गिनती चालू हो जाएगी। इसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

राज्य के 75 जिलों में 81 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। यूपी के अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार और डीजीपी प्रशांत कुमार ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करते हुए काउंटिंग संबंधित जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार ने बताया 81 जगह पर सुबह 8 बजे से काउंटिंग होगी। मतगणना पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। सभी जिलों में धारा 144 लागू है और अनावश्यक भीड़ लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कोई भी विजय जुलूस नहीं निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सात चरणों में मतदान हिंसामुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से हुआ है। यह प्रशासन के निष्पक्ष तरीके से भी काम करने का प्रमाण है।

सभी जिलों में धारा
144 लागू है

सीसीटीवी से की
जाएगी निगरानी

सीआरपीएफ के जिम्मे
आंतरिक सुरक्षा



बाहरी घेरे में स्थानीय पुलिसकर्मी तैनात

डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि मतगणना के सबसे अंदरूनी घेरे की सुरक्षा केंद्रीय सुरक्षा बलों (सीआरपीएफ) द्वारा की जाएगी, वहां सभी की चेकिंग होगी। मध्यम घेरे की सुरक्षा पीएसों द्वारा की जाएगी और बाहरी घेरे की सुरक्षा के लिए लोकल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के सात चरणों में मतदान हिंसामुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से हुआ है। यह प्रशासन के निष्पक्ष तरीके से भी काम करने का प्रमाण है। स्थानीय पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। महिला कर्मी भी बंद एरिया में महिलाओं की चेकिंग करेंगी।

सोशल मीडिया टीम कर रही निगरानी

डीजीपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह न फैले, इसके लिए सोशल मीडिया टीम निगरानी कर रही है। इस बार चुनाव में कहीं भी कोई घटना नहीं हुई, यह पुलिस फोर्स की निष्पक्षता को भी बताता है। हमारे पास पुख्ता प्रमाण है कि कुछ लोग ज्यादा से ज्यादा लोगों को काउंटिंग सेंटर पर पहुंचने की अपील कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर हमारी नजर है, कोई भी ऐसे लोगों के बहकावे में न आए। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर नजर रखी जा रही है। 2022 के चुनाव में भी कुछ लोगों ने शांति व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश की थी, ऐसे लोगों पर हुई कार्रवाई को सभी ने देखा था।

राज्य की 80 सीटों पर 851 प्रत्याशी मैदान में

बता दें कि यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर 851 प्रत्याशी (771 पुरुष एवं 80 महिला) चुनाव मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 28 प्रत्याशी घोसी लोकसभा क्षेत्र में हैं, जबकि सबसे कम 4 प्रत्याशी कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में हैं। आगरा, मेरठ, आजमगढ़, देवरिया, सीतापुर, कुशीनगर जनपदों में मतगणना 2-2 केंद्रों पर होगी। 8 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 जिलों में, 37 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 2 जिलों में और 35 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 1 जिले में होगी। वहीं पोस्टल बलैट की मतगणना आरओ मुख्यालय जनपद के मतगणना स्थल में होगी।

कार्यकर्ता मुस्तैद रहें: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही भाजपा अब मतगणना की तैयारियों की समीक्षा में जुट गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में इस संबंध में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक हुई। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को मतगणना के दिन मुस्तैद रहकर मतों की गिनती पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के अलावा महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक स्वतंत्र देव सिंह और सह संयोजक जेपीएस राठौर ने चुनाव प्रबंधन में जुड़े कार्यालय के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक की।

कांग्रेस ने उत्तराखंड में किया बड़ा उलटफेर का दावा

देहरादून। लोकसभा के चुनावी रण में उत्तराखंड की पांच सीटों पर अधिकतर एक्जिट पोल ने कांग्रेस की झोली भले ही खाली रखी हो, लेकिन कांग्रेस उलटफेर की उम्मीदें संजोये हुए हैं। प्रदेश में 30 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने जिस प्रकार हर चुनाव में कांग्रेस पर विश्वास बनाए रखा है और इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान में कमी आई, उसे पार्टी अपने लिए बेहतर परिणाम के रूप में आंक रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ी जातियों के मत का बड़ा हिस्सा पार्टी की झोली में आया है। चार जून को चुनाव परिणाम की घोषणा पार्टी के लिए शुभ साबित होने जा रही है। प्रदेश में अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति के वोट बैंक पर कांग्रेस लंबे समय से भरोसा करती आई है। अब तक जितने भी लोकसभा चुनाव रहे हों या विधानसभा के चुनाव, कांग्रेस ने मतदाताओं के बड़े हिस्से पर अपनी पकड़ साबित की है। यह बात अलग है कि राज्य में पिछले चार लोकसभा चुनाव में मतों के मामले में कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका वर्ष 2019 में लगा था। वर्ष 2004 के चुनाव में कांग्रेस को 38.31 प्रतिशत, वर्ष 2009 में 43.13 प्रतिशत, वर्ष 2014 में 34.40 प्रतिशत और वर्ष 2019 में 31.73 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। इन सभी मत प्रतिशत में अल्पसंख्यक विशेष रूप से मुस्लिम के साथ अनुसूचित जाति के मतों की संख्या अच्छी-खासी मानी जाती है। अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से मुस्लिम, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ी जातियों का गठजोड़ हरिद्वार और नैनीताल-ऊधम सिंह नगर लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की हार-जीत तय करने में बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं।

रोजाना खाएंगे सिर्फ 10 चेरी तो मिलेंगे ये बेमिसाल फायदे

चेरी मानसून और गर्मियों का फल है। ये खट्टा-मीठा फल खाने में जितना टेस्टी होता है। सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है। इसमें पाए जाने वाले काबोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। इन पोषक तत्वों की वजह से चेरी को सुपरफूड की श्रेणी में रखा जाता है। यही पोषक कई प्रॉब्लम को दूर करने में मददगार होता है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

1. आंखों के लिए फायदेमंद

चेरी में विटामिन ए की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसको खाने से आंखों से सर्वाधिक समस्याएं नहीं होती। जिन लोगों को मोतियाबिंद की समस्या हो उनको रोजाना चेरी खानी चाहिए।

2. याददाश्त बढ़ाए

चेरी में याददाश्त बढ़ाने वाले गुण पाए जाते हैं। जिन लोगों को बातें या चीजें भूलने लगती हैं। उनके लिए चेरी खाना बहुत फायदेमंद होता है।

3. अनिद्रा की समस्या से छुटकारा

चेरी में मेलानोटिन की बहुत मात्रा होती है, जो अनिद्रा की समस्या से छुटकारा दिलाता है। रोजाना सुबह-शाम 1 गिलास चेरी का जूस पीने से अच्छी नींद आने लगेगी।

4. हड्डियां मजबूत

आजकल बहुत से लोगों को हाथों-पैरों की हड्डियों में



दर्द होने या हड्डियां संबंधी कई प्रॉब्लम्स होने लगती है। हड्डियों की समस्याओं से राहत पाने के लिए रोजाना चेरी खाएं।

5. दिल को रखे हैल्दी

चेरी में आयरन, मैगनीज, जिंक, पोटेशियम आदि कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें बिटा

कैरोटीन तत्व भी होता है जो दिल की बीमारी को दूर करने में मदद करता है।

6. कैंसर

चेरी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते हैं। इसके साथ ही चेरी में फिनॉलिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर

बीमारियों के उतकों को बढ़ने से रोकते हैं।

7. वजन करें कंट्रोल

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए चेरी किसी औषधि से कम नहीं है। चेरी में वसा की मात्रा बहुत कम पाई जाती है। इसके साथ 70 % पानी होता है जो घुलनशील फाइबर के लिए अच्छा होता है। रोजाना चेरी खाने वजन कंट्रोल में रहने के साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है।

8. ब्लड प्रेशर रखे ठीक

चेरी में पोटेशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

9. डायबिटीज में सहायक

रोजाना चेरी खाने से डायबिटीज की समस्या से राहत पाई जा सकती है। चेरी में पाए जाने वाले गुण चेहरे की रंगत को साफ करने से साथ ही शरीर में इन्सुलिन की मात्रा को कम करके डायबिटीज के स्तर को कम करता है।

10. त्वचा में लाएं निखार

त्वचा को सॉफ्ट बनाने और रंगत निखारने के लिए चेरी का फल खाएं। आप चाहे तो चेरी का पेस्ट बनाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। चेरी के पेस्ट को नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से मृत कोशिकाएं हट जाती हैं। डैड सैल्स हटने से चेहरे पर निखार आने लगता है।

स्किन को ग्लोइंग और बेदाग रखने के लिए लगाएं केले से बनी होममेड क्रीम

केला हर सीजन में आसानी से उपलब्ध होने वाला फल है, जिसका इस्तेमाल सीरप व ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में भी किया जाता है। केले से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉब्लम दूर होती है साथ ही इसके अलग-अलग इस्तेमाल से चेहरे की कई समस्याएं भी झट से गायब हो जाती हैं। केले का इस्तेमाल डार्क सर्कल्स, चेहरे की रंग निखारने, पिंपल्स व घुटनों और कोहनियों का कालापन दूर करने के लिए भी किया जाता है। कई फैश क्रीम, फेस मास्क और फेसपैक के रूप में भी इसका यूज होता है लेकिन मार्केट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में अन्य कई कैमिकल्स भी मिलाए जाते हैं, जो हर किसी की स्किन पर सूट नहीं करते हैं इसलिए बेहतर है कि



प्रॉब्लम से दूर करेगी।
बनाना क्रीम बनाने की सामग्री
- 1/2 केला
- 3 बड़े चम्मच दूध
बनाने का तरीका

1. केले को छोटे-छोटे स्लाइस में काट लें। फिर इन स्लाइस को बाउल में डालकर अच्छे से मैश करें।
2. फिर इसमें दूध डालकर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें।
3. अब इस क्रीम को अपनी उंगलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 3 से 4 मिनट तक चेहरे पर लगी रहने दें।
4. इस क्रीम को चेहरे से उतारने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। फिर अपने चेहरे और गर्दन को तौलिए से अच्छे से सूखा लें।

ध्यान रखने वाली बात
अगर आपकी स्किन नॉर्मल है तो यह बनाना क्रीम बेस्ट है। इस क्रीम को लगाने से चेहरे पर ग्लो बना रहता है और स्किन नरिशिंग होती है।

होममेड तरीके से केले से बनी क्रीम और फेसपैक व फेसमास्क का इस्तेमाल करके अपनी खूबसूरती को निखारा जाए, ताकि हमारी त्वचा को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो। आज हम आपको केले से बनी होममेड क्रीम बनाना सिखाएंगे, जो आपकी स्किन को नरिशिंग करके स्किन की कई

खून की कमी और इफैक्शन दूर करने के लिए रोज पीएं इस फल का 1 गिलास जूस

खून की कमी की वजह से हमारे शरीर में एनर्जी कम होने लगती है और जब शरीर में एनर्जी कम होने लगती है तो बॉडी में थकान, चेहरे पर पीलापन, हाथ पैर का सुन्न होना व अन्य कई तरह की प्रॉब्लम्स शुरू हो जाती हैं। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह प्रॉब्लम आगे कई अन्य समस्याओं को बढ़ा देता है। उसी तरह ब्लड इफैक्शन होने पर भी कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

अगर आप खून की कमी या इफैक्शन से ग्रस्त हैं तो आपको इस स्पेशल जूस का सेवन करना चाहिए। यह आपके खून की कमी को पूरा कर ब्लड इफैक्शन को दूर करेगा। रोजाना एक गिलास इस जूस का सेवन करें। क्रेनबेरी जूस यानी कि करौंटे का जूस, इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, एस्कॉर्बिक एसिड और ऊर्जा से भरपूर होता है जो एनीमिया, कब्ज, पाचन संबंधी समस्याओं को दूर रखता है।

1. यूरिनेरी ट्रेक्ट इफैक्शन

इस जूस से पाचन समस्याओं के साथ मूत्र प्रणाली के रोग भी दूर होते हैं। क्रेनबेरी जूस में प्रोएंथोसायनेडिस होते हैं, जो ब्लैडर की वॉल पर बैक्टीरिया और कोशिकाओं को मिलने से रोकते



हैं। साथ ही यूरिन के रास्ते गंदे बैक्टीरिया को शरीर से बाहर भी निकालते हैं।

2. मसूड़ों की समस्या

यह दांतों को सड़ने से बचाने के साथ सांस की दुर्गन्ध को भी रोकता है हालांकि इस जूस में शुगर की मात्रा अधिक होती है, तो बेहतर रहेगा कि दिन में क्रेनबेरी का जूस केवल एक गिलास ही पीएं।

3. दिल के रोगों व डायबिटीज

क्रेनबेरी जूस दिल के रोगों और डायबिटीज से बचाने में मददगार है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है जिससे दिल संबंधी रोग नहीं होते। क्रेनबेरी में मौजूद पॉलिफिनॉल हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने वाले सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोज 2 गिलास लो-कैलरी क्रेनबेरी जूस पीने से दिल की बीमारियों का खतरा 10 फीसदी तक कम हो जाता है।

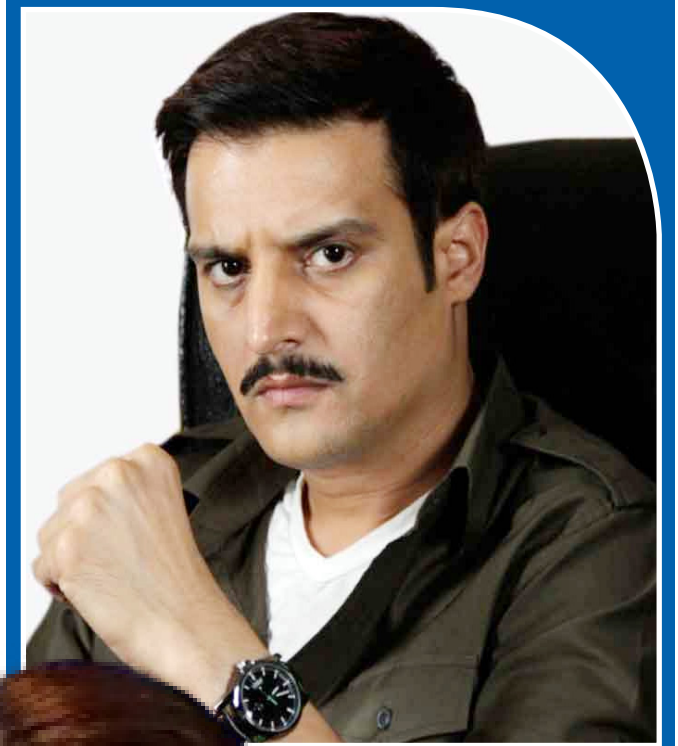
4. वजन घटाएं व रक्तचाप कम करें

अगर आप रोजाना इस जूस का सेवन करते हैं तो इससे स्तन कैंसर से बचा जा सकता है। इसमें कम कैलोरी होने के कारण, यह वजन घटाने में भी सहायक है। हाई ब्लड प्रेशर वालों के लिए भी यह जूस फायदेमंद है। इसे पीने से रक्तचाप कम होता है। इस जूस से ब्यूटी से जुड़े फायदे भी मिलते हैं।



प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती के साथ शेयर की क्यूट फोटो

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब इंटरनेशनल स्टार और आइकन के तौर पर जानी जाती हैं। उनकी हर एक्टिविटी को लेकर फैन एक्साइटेड रहते हैं और उनके बारे में सब कुछ जानना चाहते हैं। इन दिनों प्रियंका अपनी अपकमिंग फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी शूटिंग के लिए वह अपनी फिल्म की टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में हैं। इस बीच प्रियंका ने बेटी मालती के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसे देख उनके फैंस खुद को प्यार लुटाने से रोक नहीं पा रहे। तस्वीर में प्रियंका बेटी मालती के साथ फुरसत के पल बिताती दिख रही हैं। प्रियंका लेटी हैं और मालती उनकी गोद में बैठी हुई हैं। एक्ट्रेस के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान है। इसके पहले प्रियंका ने बेटी संग ३ पर मस्ती करते हुए तस्वीरें और वीडियो शेयर किया था। ऐसा लग रहा है कि शूटिंग से टाइम चुरा कर प्रियंका बेटी संग हैप्पी टाइम को एन्जॉय करना चाहती हैं।



6 महीने मीठा नहीं खाता...

फिल्म मोहब्बतों के कारण हो या फिर मेरे यार की शादी है के रोहित खन्ना जिम्मी शेरगिल के रूप में बॉलीवुड को एक और चॉकलेट हीरो मिल गया था। हालांकि अब मसाला फिल्मों को छोड़कर जिम्मी इस तरह की फिल्में कर रहे हैं, जहां उन्हें चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका मिले। लेकिन जहां तक फिटनेस की बात है, 53 साल के जिम्मी शेरगिल आज भी इस तरह से फिट है कि मानो उन्हें रिवर्स एजिंग का राज पता चल गया हो। यही वजह है कि निर्देशक संतोष सिंह ने उन्हें वेब सीरीज रणनीति में रॉ एजेंट के किरदार के लिए कास्ट किया। जिम्मी शेरगिल ने अपनी फिटनेस का राज शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने 6 महीने तक मीठा नहीं खाया है। जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने वाली रणनीति में कश्यप की प्रमुख भूमिका निभाने वाले जिम्मी शेरगिल ने कहा, मैं इसे रिवर्स एजिंग तो नहीं कहूंगा, लेकिन मुझे किरदार ऐसे मिलते हैं कि जहां मैच्योरिटी जरूरी होती है। और मैं इसलिए बहुत मेहनत करता हूँ। वैसे मैं इस बारे में मजाक करता रहता हूँ कि बाजार में चूरन मिलता है। आप भी खाओ और फिर आप भी फिट हो जाओगे, लेकिन ऐसा नहीं है। इसलिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। कभी-कभी मीठा खाए हुए 6-6 महीने हो जाते हैं। फिर 6 महीने के बाद सिर्फ एक दिन मैं वो 6 महीने की कसर पूरी करता हूँ।

एक्ट्रेस आलिया को मिला अकैडमी से इन्विटेशन

बॉलिवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को हाल ही में अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेस की ओर से मेंबर बनने के लिए इन्वाइट किया गया। उन्होंने इसे स्वीकार किया और इस तरह अगले ऑस्कर के लिए उनके पास वोट के राइट्स होंगे। इन्विटेशन को स्वीकार करते हुए और इसकी प्रशंसा करते हुए आलिया ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे इन्वाइट करने के लिए अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेस को धन्यवाद देती हूँ। मैं सम्मानित महसूस कर रही हूँ। यही नहीं, एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोगों को डिवाइड कर रहा था। उन्होंने कहा, इस अनिश्चित दुनिया में और ऐसे समय में जब लोगों को जोड़ने वाला सोशल मीडिया उन्हें डिवाइड कर रहा हो, फिल्में ऐसा जरिया हैं जो हमें जोड़ता है। बता दें, आलिया तब लोगों के निशाने पर आ गई थीं जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक बार फिर बॉलिवुड में नेपोटिज्म की बहस छिड़ गई। इसके लिए एक्ट्रेस को भी काफी ट्रोल किया गया जिसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कमेंट का ऑप्शन लिमिटेड कर दिया।

